

पद चालीस — संख्या नौ का गुप्त इतिहास

सामर्थ्य, महिमा और दुःख

Jeff Pippenger

2026-05-06

पतरस पानियुम (कैसरिया फिलिप्पी) में है, जो उन तीन अवसरों के मध्य से केवल छह या आठ दिन पहले है, जब पतरस, यूहन्ना और याकूब यीशु के साथ अकेले गए थे। पहला अवसर जाइरुस की बारह-वर्षीय पुत्री के पुनर्जीवन में उसकी सामर्थ्य के प्रदर्शन का था; दूसरा, रूपान्तरण के पर्वत पर उसकी महिमा के प्रदर्शन का; और तीसरा, गतसमनी में उसके दुःख-भोग के प्रदर्शन का था। अध्याय ग्यारह में पानियुम पर पतरस, पद सोलह के क्रूस से ठीक पहले स्थित है। पर्वत उन तीन शिष्यों की तीन विशिष्ट यात्राओं का मध्यबिंदु था। पर्वत पर स्वर्गीय पिता ने भी तीन अवसरों में से दूसरी बार वचन कहा; पिता ने बपतिस्मे के समय, पर्वत पर, और फिर क्रूस से ठीक पहले कहा। पतरस दो बार तीन विशिष्ट घटनाओं के मध्यबिंदु पर है। वह मत्ती के अध्याय ग्यारह से बाईस तक का भी मध्यबिंदु है।

गधे ने अपनी ज़ोरदार आवाज़ से मुझे चौंका दिया, और मैं पीछे हट गया। उसने फिर से रेंकना शुरू किया, मानो किसी अदृश्य उपस्थिति से व्याकुल हो। मैंने उसे शांत करने का प्रयत्न किया, पर वह लगातार अपने कान झटकता और अँधेरे मार्ग की ओर घूरता रहा। तभी मुझे स्मरण हुआ कि वचन में लिखा है कि एक गधे ने अपने स्वामी से भी अधिक स्पष्ट रूप से देखा था, क्योंकि यहीवा ने उसकी आँखें खोल दी थीं। मैं ठिठक गया, यह सोचते हुए कि कहीं मैं भी उस भविष्यद्वक्ता की भाँति अपने ही मार्ग की अंधता में तो नहीं चल रहा।

विजयी प्रवेश से पहले पर्वत का अनुभव हुआ, जिसका आरम्भ उस गदहे के खोले जाने से हुआ जो भेंट को यरूशलेम में ले जाने वाला था, जिस प्रकार अब्राहम का गदहा मोरियाह पर भेंट के लिए लकड़ी ले गया था, जो यरूशलेम में मन्दिर का प्राचीन स्थल था। लैव्यव्यवस्था तेईस की क्रम-रेखा में तुरहियों का पर्व उस गदहे के खोले जाने को चिह्नित करता है; अतः रूपान्तरण के पर्वत का अनुभव विजयी प्रवेश से पहले हुआ, और इस प्रकार पतरस को लैव्यव्यवस्था तेईस के उन तीस दिनों के इतिहास में स्थित करता है जो पित्तुकुस्त के काल के साथ संरेखित हैं। उन तीस दिनों में मन्दिर (मध्य परीक्षा) उन अभ्यर्थियों पर लाया जाता है जो अस्सी पराक्रमी याजकों में सम्मिलित होने वाले हैं। पवित्र स्थान में राजा उज्जियाह के विद्रोह की गवाही में उन अस्सी याजकों की पहचान पराक्रमी के रूप में की गई है, जिससे यह संकेत मिलता है कि ऐसे याजक भी थे जिन्होंने भाग नहीं लिया।

और याजक अजर्याह उसके पीछे भीतर गया, और उसके साथ यहीवा के अस्सी याजक थे, जो वीर पुरुष थे। और उन्होंने राजा उज्जियाह का सामना किया, और उससे कहा, “हे उज्जियाह, यहीवा के लिए धूप जलाना तेरा काम नहीं, परन्तु हारून के पुत्र याजकों का है, जो धूप जलाने के लिए पवित्र किए गए हैं; पवित्रस्थान से बाहर निकल जा, क्योंकि तूने अपराध किया है; और यह तेरे लिए यहीवा परमेश्वर की ओर से आदर का कारण न होगा।” 2 इतिहास 26:17, 18.

पराक्रमी याजक वे हैं जो मेम्ने के पीछे-पीछे जहाँ कहीं वह जाता है, चलते हैं।

ये वे हैं जो स्त्रियों के साथ अशुद्ध नहीं हुए; क्योंकि वे कुँवारे हैं। ये वे हैं जो जहाँ कहीं मेम्ना जाता है उसके पीछे-पीछे चलते हैं। ये मनुष्यों में से छुड़ाए गए, कि परमेश्वर और मेम्ने के लिये पहिले फल ठहरें। प्रकाशितवाक्य 14:4

यहूदा के गोत्र का सिंह अपने लोगों को परमपवित्र स्थान में ले जाता है और उन्हें वाचा के सन्दूक के भीतर दृष्टि डालने, तथा उस महायाजक पर मनन करने को कहता है, जो वहाँ पाप के मिटा दिए जाने के अपने अंतिम कार्य में सेवा कर

रहा है। पतरस 31 दिसंबर, 2023 को पुनर्जीवित किया गया, और उसके बाद उसे इस आधारभूत परीक्षा का सामना करना पड़ा कि भविष्यवाणी की बाह्य दर्शन-रेखा की स्थापना में रोम की क्या भूमिका है। फिर मन्दिर की दूसरी परीक्षा पतरस के लिए आई, और वहीं आंतरिक रेखा का दर्शन दानियेल अध्याय दस के दर्पण-दर्शन में प्रस्तुत किया गया है।

पतरस ने 18 जुलाई, 2020 को अपने प्रभु का इन्कार किया था, और उसने ऐसा तीन बार किया।

“पतरस ने तीन बार खुलेआम अपने प्रभु का इन्कार किया था, और तीन बार यीशु ने उससे उसके प्रेम और निष्ठा का आश्वासन प्राप्त किया, उस तीक्ष्ण प्रश्न को उसके घायल हृदय में काँटेदार बाण के समान गहराई तक पहुँचाते हुए। एकत्रित शिष्यों के सामने यीशु ने पतरस के पश्चाताप की गहराई प्रकट की, और दिखाया कि जो शिष्य कभी डींग मारता था, वह कितनी पूर्ण रीति से दीन किया जा चुका था।” *The Desire of Ages*, 812.

पतरस उपासकों के दो वर्गों का प्रतिनिधित्व करता था।

“फ़रीसी और महसूल लेनेवाले के द्वारा प्रतिनिधित्व किए गए प्रत्येक वर्ग के लिए प्रेरित पतरस के इतिहास में एक शिक्षा निहित है। अपने प्रारम्भिक शिष्यत्व में पतरस अपने आप को दृढ़ समझता था। फ़रीसी के समान, अपने ही अनुमान में वह ‘अन्य मनुष्यों के समान’ नहीं था। जब मसीह ने अपने विश्वासघात की पूर्वसंध्या पर अपने चेलों को पहले से चेतावनी दी, ‘तुम सब इसी रात मेरे कारण ठोकर खाओगे,’ तब पतरस ने आत्मविश्वास के साथ घोषणा की, ‘यदि सब ठोकर खाएँ, तौभी मैं नहीं।’ मरकुस 14:27, 29. पतरस अपने स्वयं के संकट को नहीं जानता था। आत्म-विश्वास ने उसे भटका दिया। वह अपने आपको परीक्षा का सामना करने में समर्थ समझता था; परन्तु कुछ ही घड़ियों में परीक्षा आ पहुँची, और उसने शाप देते और शपथ खाते हुए अपने प्रभु का इन्कार कर दिया।” *Christ’s Object Lessons*, 152.

चुंगी लेने वाला अपने घर धर्मी ठहराकर गया।

“फ़रीसी और चुंगी लेनेवाला उन दो महान वर्गों का प्रतिनिधित्व करते हैं, जिनमें परमेश्वर की उपासना करने आनेवाले लोग विभाजित होते हैं। उनके प्रथम दो प्रतिनिधि उन प्रथम दो बच्चों में पाए जाते हैं जो संसार में जन्मे थे।” *Christ’s Object Lessons*, 152.

हाबिल और चुंगी लेने वाला विश्वास के द्वारा धर्मी ठहराए जाने के प्रतीक हैं।

और चुंगी लेने वाला दूर खड़ा था; वह अपनी आँखें भी स्वर्ग की ओर उठाना न चाहता था, पर अपनी छाती पीट-पीटकर कहता था, हे परमेश्वर, मुझ पापी पर दया कर। मैं तुम से कहता हूँ, यह मनुष्य दूसरे की अपेक्षा धर्मी ठहराया जाकर अपने घर गया; क्योंकि जो कोई अपने आप को बढ़ाता है, वह घटाया जाएगा; और जो अपने आप को दीन करता है, वह बढ़ाया जाएगा। लूका 18:13, 14.

1888 का संदेश प्रकाशितवाक्य अठारह के स्वर्गदूत के अवतरण के साथ था।

“प्रभु ने अपनी महान करुणा में एल्डर्स वैगनर और जोन्स के द्वारा अपनी प्रजा के लिए एक अत्यन्त बहुमूल्य संदेश भेजा। इस संदेश का उद्देश्य संसार के सम्मुख और अधिक प्रमुखता से ऊँचा उठाए गए उद्धारकर्ता को, जो समस्त संसार के पापों के लिए बलिदान है, प्रस्तुत करना था। इसने प्रतिभू के द्वारा विश्वास के माध्यम से धर्मी ठहराए जाने को प्रस्तुत किया; इसने लोगों को मसीह की उस धार्मिकता को ग्रहण करने के लिए आमंत्रित किया, जो परमेश्वर की समस्त आज्ञाओं के पालन में प्रकट होती है। बहुतों ने यीशु को अपनी दृष्टि से ओझल कर दिया था। उन्हें अपनी आँखें उसके दिव्य व्यक्तित्व, उसके गुणों, और मानव परिवार के प्रति उसके अपरिवर्तनीय प्रेम की ओर फेरने की आवश्यकता थी। समस्त सामर्थ्य उसके हाथों में दी गई है, ताकि वह मनुष्यों को समृद्ध वरदान बाँटे, और असहाय मानवीय कर्ता को अपनी ही धार्मिकता का अमूल्य वरदान प्रदान करे। यही वह संदेश है जिसे परमेश्वर ने संसार को दिया जाने की आज्ञा दी है। यही तीसरे स्वर्गदूत का संदेश है, जिसका ऊँचे शब्द से प्रचार किया जाना है, और जिसके साथ उसके आत्मा का प्रचुर परिमाण में उंडेला जाना संलग्न है।” *Testimonies*

to Ministers, 91.

लौदीकिया का संदेश

“ए. टी. जोन्स और ई. जे. वैगनर के द्वारा हमें दिया गया संदेश लौदीकिया की कलीसिया के लिए परमेश्वर का संदेश है, और हाय उस किसी पर जो सत्य पर विश्वास करने का दावा तो करता है, तौभी दूसरों पर परमेश्वर-प्रदत्त किरणों को परावर्तित नहीं करता।” The 1888 Materials, 1053.

उत्तर वर्षा का संदेश

“उत्तर वर्षा परमेश्वर की प्रजा पर बरसनी है। एक सामर्थ्य स्वर्गदूत को स्वर्ग से उतरना है, और सारी पृथ्वी उसकी महिमा से प्रकाशित हो जानी है।” रिव्यू ऐंड हेराल्ड, 21 अप्रैल, 1891।

न्यूयॉर्क नगर और 9/11

“अब यह बात कहाँ से आई कि मैंने यह घोषणा की है कि न्यूयॉर्क ज्वारीय लहर द्वारा बहा दिया जाएगा? यह मैंने कभी नहीं कहा। मैंने इतना अवश्य कहा है कि जब मैं वहाँ एक के ऊपर एक मंजिल उठती हुई उन विशाल इमारतों को देखती थी, तब मैंने कहा, ‘जब प्रभु पृथ्वी को भयानक रीति से कंपाने के लिए उठ खड़ा होगा, तब कितने भयंकर दृश्य घटित होंगे!’ तब प्रकाशितवाक्य 18:1-3 के वचन पूरे होंगे। प्रकाशितवाक्य का पूरा अठारहवाँ अध्याय इस बात की चेतावनी है कि पृथ्वी पर क्या आनेवाला है। परन्तु न्यूयॉर्क पर विशेष रूप से क्या आनेवाला है, इसके विषय में मुझे कोई विशेष प्रकाश नहीं है; केवल इतना जानती हूँ कि एक दिन वहाँ की वे महान इमारतें परमेश्वर की सामर्थ्य के पलटने और उलट देने से ढा दी जाएँगी। मुझे जो प्रकाश दिया गया है, उसके अनुसार मैं जानती हूँ कि संसार में विनाश है। प्रभु का एक वचन, उसकी महाशक्तिशाली सामर्थ्य का एक स्पर्श, और ये विशाल संरचनाएँ गिर पड़ेंगी। ऐसे दृश्य घटित होंगे जिनकी भयावहता की हम कल्पना भी नहीं कर सकते।” Review and Herald, July 5, 1906.

चुंगी लेनेवाला पतरस उस आत्मा का प्रतिनिधित्व करता है जो विश्वास के द्वारा धर्मी ठहराई जाती है, और विश्वास के द्वारा धर्मी ठहराया जाना तीसरे स्वर्गदूत का संदेश है; यह लौदीकिया का संदेश है जो 9/11 पर पहुँचा, जब न्यूयॉर्क की बड़ी इमारतें गिर पड़ीं और प्रकाशितवाक्य 18:1-3 पूर्ण हुआ। तब पिछली वर्षा छिड़कने लगी और एक लाख चवालीस हज़ार की मुहरबंदी आरम्भ हुई। एक लाख चवालीस हज़ार की मुहरबंदी के समय के अंत में प्रकाशितवाक्य अठारह का स्वर्गदूत प्रधान स्वर्गदूत मीकाएल के रूप में उतरा और तीन परीक्षाओं के द्वारा पतरस को जिलाया। पहली परीक्षा 31 दिसम्बर, 2023 को आरम्भ हुई, और उसने उस आधारभूत सत्य का प्रतिनिधित्व किया कि दानिय्येल ग्यारह के पद चौदह में रोम वही शक्ति है जो दर्शन को स्थापित करती है। वह दर्शन चाज़ोन दर्शन है, जो भविष्यवाणी की बाहरी रेखा का प्रतिनिधित्व करता है, जिसे सुलैमान जीवन या मृत्यु कहता है।

जहाँ [chazon] दर्शन नहीं होता, वहाँ लोग नष्ट हो जाते हैं; परन्तु जो व्यवस्था को मानता है, वह धन्य है। नीतिवचन 29:18.

पतरस की दूसरी परीक्षा मंदिर की वह परीक्षा है, जिसके लिए विश्वास के द्वारा परमपवित्र स्थान में प्रवेश करना आवश्यक है, जैसा कि बहन व्हाइट ने अपने प्रथम दर्शनों में चित्रित किया। वहाँ उसने सातवें दिन के सब्त की आज्ञा को अन्य नौ आज्ञाओं के ऊपर प्रकाशमान देखा। न्याय के आरंभ में वह सिद्धांत उस अवतार के सिद्धांत का प्रतिनिधित्व करता है, जो अंतिम दिनों में, न्याय के समापन के समय, अन्य भविष्यवाणी-संबंधी सिद्धांतों के ऊपर प्रकाशमान होता है। मसीह के दैवी होने पर भी, यद्यपि वह पाप से अपरिचित था, अपने ऊपर पतित पापमय देह धारण कर लेना, विविध प्रकार के दृष्टांतों में निरूपित किया गया है। उनमें सबसे महत्वपूर्ण सात समयों का सिद्धांत है। सात समयों का सिद्धांत मिलर की भविष्यवाणी-संबंधी खोजों का अल्फा था, और 1856 में वही सिद्धांत उस ओमेगा-सिद्धांत का प्रतिनिधित्व करता था जो मिलराइट इतिहास में उस बिंदु को सूचित करता है, जहाँ मिलराइट

फिलाडेल्फियाई एडवेंटवाद ने सात वर्षों तक विद्रोह किया और 1863 में लाओदीकियाई सेवन्थ-डे एडवेंटिस्ट कलीसिया बन गया।

यहेजकेल सैंतीस की दो लकड़ियाँ उत्तरी और दक्षिणी राज्यों के विरुद्ध 2,520-वर्षीय दो न्यायों का प्रतिनिधित्व करती हैं। उत्तरी राज्य मानवीय देह का प्रतिनिधित्व करता है और दक्षिणी राज्य उस मन का, जिसे मसीह के मन के साथ एकीकृत होने के लिए अभिकल्पित किया गया था; इस प्रकार, दिव्यता मानवता के साथ संयुक्त होती। यही अवतार के सिद्धांत का एक सरल रूप में निरूपण है। सात काल मिलेराइट इतिहास का अल्फा और ओमेगा था, और क्योंकि वह अवतार का प्रतिनिधित्व करता है, इसलिए वह 1844 में अल्फा सब्त-सिद्धांत के संबंध में सेवन्थ-डे एडवेंटिस्ट इतिहास का भी ओमेगा है। एक सातवें दिन के सब्त का चिन्ह है और दूसरा सातवें वर्ष के सब्त का चिन्ह।

पतरस का नाम पानियम में बदला जाता है, जो चुने हुए लोगों के साथ प्रथम वाचा के अब्राहमीय प्रतिनिधित्व का दूसरा चरण था; और पतरस अपने दूसरे चरण में चुने हुए लोगों के साथ अंतिम वाचा का प्रतिनिधि बन जाता है। यह ग्यारह से बाईस अध्यायों की रेखा में दूसरा चरण है, और यह उन तीन अवसरों में दूसरा है जब पतरस, याकूब और यूहन्ना अन्य चेलों से अलग यीशु के साथ गए, तथा यह उन तीन अवसरों में भी दूसरा है जब स्वर्गीय पिता ने वाणी की। नीरो की रेखा राफ्रिया और पानियम के युद्धों के मध्यबिंदु पर समाप्त होती है, क्योंकि वह 250 वर्षों की उन अन्य दो अवधियों के साथ संरेखित होती है जो 457 ईसा पूर्व और 1776 में आरंभ हुई थीं। 457 ईसा पूर्व 207 ईसा पूर्व में समाप्त हुआ और 1776 का अंत 2026 में होता है। पतरस 207 ईसा पूर्व, 2026, 313, और उस मन्दिर-परीक्षा पर स्थित है जो गदही के खोलने की तीसरी तथा निर्णायक परीक्षा से पहले आती है, जिसका प्रतिनिधित्व तुरहियों के पर्व के रूप में किया गया है।

पतरस की परीक्षा यह है कि वह मसीह का अनुसरण करते हुए परमपवित्र स्थान में प्रवेश करे, और उसका कार्य यह है कि वह नैशविल के अग्निगोलों के संदेश को संशोधित करे और फिर उस संशोधित संदेश की घोषणा करे। पतरस का नैशविल के अग्निगोलों का संदेश पिन्तेकुस्त का वही संदेश है जो पहले ऊपरी कक्ष में और उसके बाद मन्दिर में प्रस्तुत किया गया था। वह अपना संदेश इस प्रकार प्रस्तुत करता है कि उसमें नैशविल के अग्निगोलों की पहचान, और राफ्रिया की लड़ाई की परिपूर्ति, पानियम की लड़ाई के संबंध में दिखाई देती है, जो पद सोलह के रविवार-विधि पर एक्टियम की लड़ाई बन जाती है। पद सोलह की रविवार-विधि, पद इकतालीस और पद बाईस की भी वही रविवार-विधि है। ये तीनों पद पद इकतीस के साथ भी मेल खाते हैं, जहाँ 538 में पोपतंत्र ने नियंत्रण ग्रहण किया और ऑर्लियों की तीसरी परिषद् में एक रविवार-विधि पारित की। वे पद जो पद इकतीस तक ले जाते हैं, उन मार्गचिह्नों की पहचान करते हैं जिन्होंने 538 की रविवार-विधि तक पहुँचाया, और उस इतिहास का रूपक हैं जो शीघ्र आनेवाली रविवार-विधि से पहले घटित होता है।

क्योंकि किन्तीम के जहाज़ उसके विरुद्ध आएँगे; इसलिए वह खेदित होगा, और लौट जाएगा, और पवित्र वाचा के विरुद्ध क्रोध प्रकट करेगा; वह ऐसा ही करेगा; वह फिर लौटकर उन लोगों के साथ समझौता करेगा जो पवित्र वाचा को त्याग देते हैं। और सेनाएँ उसकी ओर से खड़ी होंगी, और वे बलस्थान के पवित्रस्थान को अशुद्ध करेंगी, और नित्य बलिदान को हटा देंगी, और वे उस घृणित वस्तु को स्थापित करेंगी जो उजाड़ करती है। दानिय्येल 11:30, 31॥

“किन्तीम के जहाज़” वैडलों का प्रतिनिधित्व करते थे, जिनका प्रतिनिधित्व प्रकाशितवाक्य अध्याय आठ में दूसरी तुरही के रूप में भी किया गया है। रोम का क्रमिक पतन 330 में आरम्भ हुआ, जब कॉन्स्टैन्टीन ने राज्य को पूर्व और पश्चिम में विभाजित किया। इसके पश्चात उसने उसे अपने तीन पुत्रों में बाँट दिया। रोमी साम्राज्य, जो एक्टियम के युद्ध के समय से अजेय रहा था, तब दो भागों में विभाजित हुआ, फिर तीन भागों में; इसके बाद प्रकाशितवाक्य 8 की पहली चार तुरहियाँ उन शत्रुओं के आक्रमण का प्रतिनिधित्व करती हैं, जिन्होंने 476 में पश्चिमी रोम का अंत कर दिया। कॉन्स्टैन्टिनोपल में पूर्वी रोम पाँचवीं तुरही के अंत और छठी तुरही के आरम्भ तक बना रहा, जो क्रमशः पहली और दूसरी हाय भी हैं। पहली हाय की एक सौ पचास वर्षों की समय-भविष्यवाणी उसी तिथि पर समाप्त हुई, जिस

तिथि पर दूसरी हाय की समय-भविष्यवाणी आरम्भ हुई। वह तिथि 1453 में ऑटोमन तुर्कों के हाथों कॉन्स्टैन्टिनोपल का पतन थी।

बाबुल एक ही रात में गिर पड़ा; सम्भव है, आप तर्क करें कि कूरूश को पहले नदी की धारा मोड़नी पड़ी, और उसमें कुछ समय लगा, किन्तु बाबुल का पतन एक ही रात में हुआ; जबकि रोम का पतन 1123 वर्षों में विस्तृत था। उन वर्षों में विशिष्ट भविष्यवाणीगत मार्गचिह्न सम्मिलित थे, जो साम्राज्यिक रोम के क्रमिक विनाश का वर्णन करते हैं; और साम्राज्यिक मूर्तिपूजक रोम, 538 में बाइबिल की भविष्यवाणी के पाँचवें राज्य के रूप में पोपतंत्र को सिंहासन पर स्थापित करने के अपने कार्य में, संयुक्त राज्य अमेरिका का प्रतीक है। पोपतंत्र को दानिय्येल ग्यारह के सोलहवें पद के रविवार-विधि पर सिंहासन पर स्थापित किया जाता है। जो मार्गचिह्न संयुक्त राज्य अमेरिका के कार्य का प्रतीक हैं, वे मूर्तिपूजक रोम के क्रमिक विनाश के मार्गचिह्नों में निरूपित हैं।

कित्तीम के जहाज़ रोम के लिए एक आर्थिक विपत्ति का प्रतीक थे, क्योंकि वैडलों की नौसेना ने भूमध्यसागर के समुद्री व्यापार-मार्गों में भारी विनाश उत्पन्न किया। अंतिम दिनों में, इस्लाम को पृथ्वी के राजाओं के लिए एक आर्थिक विपत्ति के रूप में चित्रित किया गया है। वैडल और उनके जहाज़ दूसरी तुरही की शक्ति थे, और तीनों हाय इस्लामी तुरही-शक्तियाँ हैं। पहली अरब थी, दूसरी तुर्की, और तीसरी विश्वव्यापी है।

जहाज़ आर्थिक शक्ति का एक प्रतीक हैं, और पवित्रशास्त्र में कित्तीम के जहाज़ आर्थिक शक्ति के सर्वोच्च प्रतीक हैं। वे जहाज़ समुद्रों के मध्य एक क्रोधित पूर्वी पवन द्वारा डुबा दिए जाते हैं, और पवित्रशास्त्र में इस्लाम पूर्व की सन्तान है। जब भविष्यवाणी की घटनाओं के क्रम में इस्लाम का उल्लेख होता है, तब वह एक आर्थिक संकट उत्पन्न करता है। इस्लाम का निरूपण बिलाम के प्रसंग में एक गदही के रूप में किया गया है, जो उसी इब्रानी शब्द से सम्बन्धित है जिसका अनुवाद पवित्रशास्त्र में इश्माएल के प्रथम परिचय में “जंगली मनुष्य” के रूप में किया गया है। भविष्यवाणी के स्तर पर इश्माएल इस्लाम का पिता है; इससे इब्राहीम के इश्माएल के पिता होने का निषेध नहीं होता, परन्तु पवित्रशास्त्र में इश्माएल के बारह गोत्र पूर्व की सन्तान के नाम से जाने जाते हैं।

अंतिम दिनों में बिलआम, जो एक झूठे भविष्यद्वक्ता के रूप में संयुक्त राज्य अमेरिका का प्रतीक है, अपनी गदही को तीन बार मारता है, जो इस्लाम के तीन प्रहारों का प्रतिनिधित्व करता है। 9/11 उन प्रहारों में पहला था और उसने उस मुहर लगाने वाले स्वर्गदूत के आगमन को चिह्नित किया, जो कलह की प्रचण्ड पूर्वी पवनों के समय पूर्व से ऊपर उठता है। इस्लाम का दूसरा प्रहार द्विविध है, क्योंकि दूसरा चरण दुगुना होने का संकेत देता है। 7 अक्टूबर, 2023 को इस्लाम ने अप्रत्याशित रूप से वास्तविक इस्राएल पर प्रहार किया, और जब नैशविल, टेनेसी पर इस्लाम द्वारा अप्रत्याशित रूप से प्रहार किया जाएगा, तब आत्मिक इस्राएल पर प्रहार हो चुका होगा। बिलआम की कथा में दूसरा मार्गचिह्न दो दाखबारी के बीच आया, और सेनाओं के यहोवा की वे दो दाखबारियाँ प्राचीन वास्तविक इस्राएल और आधुनिक आत्मिक इस्राएल, अर्थात् संयुक्त राज्य अमेरिका, थीं। बिलआम का तीसरा मार्गचिह्न वह था जब गदही बोली; और बोलने का वह प्रतीक, जो उन एक लाख चवालीस हज़ारों के मुहरबन्दी के समय के अंत को चिह्नित करता है, जो 9/11 पर आरम्भ हुआ था, रविवार का विधान है, जब संयुक्त राज्य अमेरिका अजगर के समान बोलता है। प्रकाशितवाक्य ग्यारह का महान भूकम्प वही रविवार का विधान है, जहाँ तीसरा हाय शीघ्र आता है, जहाँ संयुक्त राज्य अमेरिका, गदही, और जकर्याह बोलते हैं।

यूहन्ना बपतिस्मा देनेवाले का पिता उन चौबीस याजकीय दलों में से आठवें दल का था, जिन्हें दाऊद ने मन्दिर में सेवा करने के लिए व्यवस्थित किया था। याजक जकर्याह अपने पुत्र यूहन्ना के जन्म तक अविश्वास के कारण मूक कर दिया गया था और वह संख्या आठ का प्रतीक है (जो याजकाई का एक प्रतीक है)। रविवार के विधान के समय याजकों की अंतिम पीढ़ी, जिसका प्रतिनिधित्व यूहन्ना बपतिस्मा देनेवाला करता है, उसके पिता जकर्याह के द्वारा निरूपित रीति से बोलेगी। मसीह ने यूहन्ना की पहचान एलिय्याह के रूप में की, और एलिय्याह का अंतिम-दिनों का सन्देश पिता और बालक के सम्बन्ध द्वारा निरूपित होता है, जैसा जकर्याह और यूहन्ना के साथ था। यूहन्ना का पूर्वरूप यिर्मयाह में पाया गया था, जिससे कहा गया था कि यदि वह लौट आए, तो वह परमेश्वर का मुख होगा।

यिर्मयाह 18 जुलाई 2020 की पहली निराशा पर विलाप कर रहा था, और यदि वह लौट आता, तो रविवार व्यवस्था के समय वह परमेश्वर का मुख बन जाता, जब उसने हबक्कूक का वह भविष्यवाणी-संदेश प्रस्तुत किया, जो विलंबित हुआ था, परन्तु अंत में “बोलेगा।” यिर्मयाह, और इसलिए यूहन्ना, और इसलिए पतरस को हबक्कूक का संदेश उस बिंदु पर बोलना था जब इस्लाम का गधा बोलता है, और जब संयुक्त राज्य अमेरिका अजगर के समान बोलता है।

कैसरिया फिलिप्पी में पतरस, जो पानियम है, उस समयावधि में है जो “पर्वत” के उस मार्गचिह्न से पहले की थी, जिसके पश्चात् वह विजयोत्सवी प्रवेश आया जो क्रूस, अथवा रविवार के विधान, तक ले गया। उस समयावधि का प्रतिनिधित्व पानियम की लड़ाई द्वारा किया गया है, जो पोप और उसकी प्रतिनिधि शक्ति संयुक्त राज्य अमेरिका की विजय पर समाप्त होती है। पानियम तीन प्रतिनिधि युद्धों में से तीसरा है, जिनमें से पहला 1989 में बर्लिन की दीवार पर समाप्त हुआ था, और अंतिम अथवा तीसरा प्रतिनिधि युद्ध कलीसिया और राज्य के पृथक्करण की “दीवार” को ढा देने पर समाप्त होता है। 1989 ने एक प्रतिनिधि युद्ध की पराकाष्ठा को चिह्नित किया, जिसे “शीत युद्ध” कहा जाता था, जो द्वितीय विश्वयुद्ध के अंत में आरम्भ हुआ था, और पानियम एक ऐसे शीत युद्ध का प्रतिनिधित्व करता है जो ऐक्टियम की लड़ाई द्वारा निरूपित तृतीय विश्वयुद्ध पर समाप्त होता है। तीन प्रतिनिधि युद्धों के प्रथम और तृतीय मार्गचिह्नों के मध्य में, यूक्रेन का वास्तविक युद्ध है, जिसका प्रतिनिधित्व ग्यारहवें और बारहवें पदों में राफिया की लड़ाई द्वारा किया गया है।

पानियम एक शीत युद्ध है जो तृतीय विश्वयुद्ध की ओर ले जाता है, जैसा कि उस शीत युद्ध द्वारा निरूपित है जो 1989 में समय के अन्त पर समाप्त हुआ था, और जो द्वितीय विश्वयुद्ध के अन्त में आरम्भ हुआ था। पद दस और 1989 द्वारा निरूपित मार्गचिह्नों में, पद ग्यारह और बारह तथा 2014 में आरम्भ हुए यूक्रेनी युद्ध में, और पद तेरह से पंद्रह तक तथा MAGA-वाद और वैश्विकतावाद के बीच वर्तमान शीत युद्ध में, तीन राष्ट्रपति थे जिन्होंने पोपतंत्र और संयुक्त राज्य अमेरिका के बीच गठबंधनों को चिह्नित किया।

रॉनल्ड रीगन पोप जॉन पॉल द्वितीय के साथ एक गुप्त गठबंधन था, जो शैतानी फातिमा भविष्यवाणियों के संदर्भ में एक रूढ़िवादी पोप था और पद दस के भविष्यसूचक इतिहास से संबद्ध है। ओबामा का राष्ट्रपति-काल पद ग्यारह और बारह में राफिया के युद्ध के इतिहास के साथ मेल खाता है। उसके राष्ट्रपति-काल में दो प्रतीकात्मक पोप थे, क्योंकि दूसरा वेमार्क एक द्विगुणन की पहचान करता है। पद तेरह से पंद्रह के तृतीय वेमार्क में पोप संयुक्त राज्य का पहला पोप है। हमने प्रारम्भ में यह मान लिया था कि पोप लियो, जॉन पॉल द्वितीय के प्रतिरूप के अनुसार, एक रूढ़िवादी पोप था, परन्तु जब इसे त्रिगुणित अनुप्रयोग की भविष्यसूचक व्याख्या के अंतर्गत लागू किया जाता है, तब तृतीय वेमार्क में पहली दो परिपूर्तियों की विशेषताएँ विद्यमान होती हैं; इसलिए लियो ही रूढ़िवादी जॉन पॉल द्वितीय है; वह इन्क्विज़िशन कार्यालय का पूर्व प्रमुख, बेनेडिक्ट सोलहवाँ है, जिसने ओबामा के कार्यकाल के दौरान woke पोप फ्रांसिस के लिए पदत्याग किया।

पहला प्रॉक्सी युद्ध एक पद द्वारा, दूसरा दो पदों द्वारा, और तीसरा तीन पदों द्वारा निरूपित किया गया है। 1989 में समाप्त होने वाला शीत युद्ध द्वितीय विश्व युद्ध के अंत में आरंभ हुआ, और ऐक्टियम की लड़ाई द्वारा निरूपित तृतीय विश्व युद्ध उस शीत युद्ध के अंत में आरंभ होता है जो पानियम की लड़ाई द्वारा निरूपित है। तीनों विश्व युद्ध, जैसे तीन प्रॉक्सी युद्ध, भविष्यवाणी के त्रिविध अनुप्रयोग से संबंधित सिद्धान्तों द्वारा शासित हैं। द्वितीय विश्व युद्ध के अंत ने एक शीत युद्ध को आरंभ किया, जो 1945 में रूज़वेल्ट से गिने जाने वाले आठवें राष्ट्रपति के साथ समाप्त हुआ, जो रीगन था। 1989 में समय के अंत पर रीगन ने ट्रम्प तक पहुँचने वाले आठ राष्ट्रपतियों की एक शृंखला आरंभ की (जो सात में से है)। ट्रम्प का शीत युद्ध 2015 में आरंभ हुआ, जब उसने राष्ट्रपति पद के लिए अपनी प्रत्याशिता की घोषणा की और वैश्विकतावादियों को उद्देलित कर दिया, दानिय्येल ग्यारह पद दो की पूर्ति में। वह शीत युद्ध रविवार के विधान पर समाप्त होता है, जो ऐक्टियम की लड़ाई है, अर्थात् रोम के सर्वोच्च शासन करने से पहले उसकी तीसरी बाधा।

रूज़वेल्ट से रीगन तक आठ राष्ट्रपति हुए, और रीगन से ट्रम्प तक भी आठ राष्ट्रपति हुए। रूज़वेल्ट द्वितीय विश्वयुद्ध को चिह्नित करता है; 12 अप्रैल 1945 को उसकी मृत्यु हुई, और फिर 8 मई को जब यूरोपीय युद्ध समाप्त हुआ तब ट्रूमैन

राष्ट्रपति था, और 2 सितंबर को जब प्रशांत युद्ध समाप्त हुआ तब भी वही राष्ट्रपति था। यूरोपीय युद्ध मुख्यतः स्थल-युद्ध था और प्रशांत युद्ध समुद्री युद्ध था, ठीक उसी प्रकार जैसे पानियम एक स्थल-युद्ध का प्रतिनिधित्व करता है और एक्टियम एक समुद्री युद्ध का। पहला अंतिम को निरूपित करता है, और आठ राष्ट्रपतियों का क्रम दानियेल ग्यारह, पद दो और तीन, की गवाही पर भी स्थापित है, तथा इस पहली पर भी कि आठवाँ उन सात में से है। प्रकाशितवाक्य तेरह के पृथ्वी-पशु के इतिहास के आरम्भ में प्रथम दो कॉन्टिनेंटल कांग्रेसों में राष्ट्रपतियों के कार्यकालों की सात अवधियाँ थीं। उस इतिहास में जॉर्ज वॉशिंगटन को प्रधान सेनापति नियुक्त किया गया था। प्रथम आधिकारिक राष्ट्रपति के रूप में, द्वितीय कॉन्टिनेंटल कांग्रेस में वॉशिंगटन की नियुक्ति प्रारम्भ में ही सात राष्ट्रपतियों में से आठवें के रूप में वॉशिंगटन का प्रतीक है।

पहला राष्ट्रपति पहले सात राष्ट्रपतियों में से आठवाँ था, और अंतिम राष्ट्रपति वह आठवाँ है जो उन सात में से है। याजक जकर्याह यूहन्ना के जन्म के समय बोलता है, जब गधा बोलता है, और जब पृथ्वी का पशु बोलता है। यही वह स्थान है जहाँ हबक्कूक का दर्शन भी बोलता है। यूहन्ना का जन्म, जो रविवार-विधि के समय एक लाख चवालीस हज़ार के ध्वज का प्रतिरूप है, याजक जकर्याह की अंतिम पीढ़ी है। जकर्याह याजकों के चौबीस दलों में से आठवें दल में था। रविवार-विधि पर जकर्याह (याजक) बोलते हैं, जब इस्लाम (गधा) बोलता है और संयुक्त राज्य अमरीका अजगर के समान बोलता है। उस मार्गचिह्न पर पोपसी का घातक घाव चंगा हो जाता है और वह वह आठवीं बन जाती है जो उन सात में से है। ट्रम्प भी वह आठवाँ है जो उन सात में से है, और वही पशु की प्रतिमा का निर्माण करता है जो रविवार-विधि पर अंतिम रूप ग्रहण करती है। तब एक लाख चवालीस हज़ार का याजकत्व परमेश्वर का मुख बन जाता है, और तीसरे स्वर्गदूत की ऊँचे शब्द की पुकार में संदेश बोलता है। वह याजकत्व आठवीं कलीसिया है जो उन सात में से है।

रूज़वेल्ट उन आठ राष्ट्रपतियों का आरंभ करता है जो 1989 में अंत के समय तक ले जाते हैं, और वह द्वितीय विश्वयुद्ध से शीत युद्ध तक के संक्रमण को चिह्नित करता है, जिसका अंत 1989 में होता है। राष्ट्रपति ट्रूमैन ने रूज़वेल्ट के पश्चात् पद ग्रहण किया और उस समय शासन किया जब पृथ्वी और समुद्र की वे लड़ाइयाँ, जिनसे द्वितीय विश्वयुद्ध बना था, समाप्त हुईं। राष्ट्रपति के रूप में, ट्रूमैन ने उस समय शासन किया जब 24 अक्टूबर 1945 को संयुक्त राष्ट्र का आरंभ हुआ। रूज़वेल्ट और ट्रूमैन का संबंध 1945 वर्ष के द्वारा स्थापित होता है। उस वर्ष दोनों राष्ट्रपति थे, और उसी वर्ष द्विगुणित युद्ध, जो द्वितीय विश्वयुद्ध था, समाप्त हुआ, और संयुक्त राष्ट्र की स्थापना हुई, और शीत युद्ध आरंभ हुआ।

1989 में भी, 1945 की भाँति, दो राष्ट्रपति थे; रोनाल्ड रीगन और जॉर्ज बुश प्रथम। रीगन ने शीत युद्ध का अंत किया और जॉर्ज बुश प्रथम ने 1 अक्टूबर, 1990 को "पैंतालीसवीं" संयुक्त राष्ट्र महासभा को संबोधित करते हुए यह घोषणा की कि वह सर्वप्रथम और मुख्यतः एक वैश्विकतावादी है, जहाँ उसने एक "नई विश्व व्यवस्था" के निर्माण के विषय में बात की। उस भाषण में उसने कहा, "इन अंधकारमय यंत्रों को पीछे छोड़ देना, अंधकार युग में, जहाँ उनका स्थान है, और एक नई विश्व व्यवस्था तथा शांति के दीर्घ युग की ओर अग्रसर एक ऐतिहासिक आंदोलन को पूर्णता तक पहुँचाने के लिए आगे बढ़ना, हमारे हाथों में है।"

इस भाषण में, बुश ने इस अवधारणा को शीत-युद्धोत्तर सहयोग, खाड़ी संकट (इराक द्वारा कुवैत पर आक्रमण), संयुक्त राष्ट्र को सुदृढ़ करने, और विधि के शासन पर आधारित राष्ट्रों की एक नई साझेदारी से संबद्ध किया। बुश ने "new world order" वाक्यांश को पहली बार कुछ सप्ताह पूर्व, 11 सितंबर 1990 को कांग्रेस के संयुक्त अधिवेशन को संबोधित करते हुए, लोकप्रिय बनाया।

इस तथ्य पर ध्यान दीजिए कि बुश ने अपने संयुक्त राष्ट्र के भाषण को ऐसे संदर्भ में रखा, जहाँ उसने हाल ही में समाप्त हुए शीत युद्ध की समाप्ति को "अंधकार युग" के संदर्भ में पहचाना। अंधकार युग का अंत 1798 में अंत-समय पर हुआ, और 1989 में बुश भी अंत-समय पर था। ध्यान दीजिए कि "न्यू वर्ल्ड ऑर्डर" वाक्यांश का उसका पहला प्रयोग ऐसे समय हुआ जब इस्लाम राष्ट्रों को क्रोधित कर रहा था, और वह भाषण 9/11 को दिया गया

था। रूज़वेल्ट से लेकर कार्टर तक आठ राष्ट्रपति हुए, और रीगन से लेकर ट्रम्प तक भी आठ राष्ट्रपति हुए। ट्रम्प अंतिम राष्ट्रपति है और उसका प्रतिरूप पहले राष्ट्रपति में पाया गया था, जो पहले सात राष्ट्रपतियों में आठवाँ था।

1798 में अंत-समय पोपसत्ता के घातक घाव की पहचान कराता है, और पोपसत्ता वही शक्ति थी जो अंधकार युगों के दौरान यूरोप के राजाओं पर शासन करती थी। प्रकाशितवाक्य सत्रह में उस संबंध को एक ऐसी वेश्या के रूप में चित्रित किया गया है, जो एक पशु पर सवार है और उस पर शासन कर रही है। 1798 में यूरोप के राजाओं का समर्थन हटा लिया गया और वह पशु मृत हो गया। 1799 में पोप निर्वासन में मर गया। 1798 और 1799 अपने पूर्णतम अर्थ में अंत-समय का प्रतिनिधित्व करते हैं, ठीक वैसे ही जैसे मसीह के समय में अंत-समय यूहन्ना बपतिस्मा देनेवाले के जन्म से चिह्नित होता है, और फिर छह महीने बाद मसीह के जन्म से। 1990 में बुश के वक्तव्य बुश को उन दो राष्ट्रपतियों में दूसरे के रूप में प्रस्तुत करते हैं जो अंत-समय को चिह्नित करते हैं, और वैश्विकतावाद की ओर बढ़ने को भी चिह्नित करते हैं, जो अजगर की शक्ति है। बुश का प्रतीकवाद रविवार की व्यवस्था की ओर एक कदम को चिह्नित करता है, जब संयुक्त राज्य अमेरिका अजगर के समान बोलकर बाइबल की भविष्यवाणी के छोटे राज्य के रूप में समाप्त हो जाता है। रविवार की व्यवस्था पर संयुक्त राज्य अमेरिका संयुक्त राष्ट्र की आवाज़ बन जाता है। ठीक उसी संदर्भ में इस्लाम जातियों को क्रोधित कर रहा है, और 9/11 चिह्नित होता है। 11 सितंबर, 1990 को, जब पहले बुश ने कांग्रेस के समक्ष अपने वैश्विकतावादी कार्यक्रम के विषय में कहा, तब वह इस बात का प्रारूप प्रस्तुत कर रहा था कि 2001 में 9/11 पर इस्लाम फिर से जातियों को क्रोधित करेगा, परन्तु तब राष्ट्रपति अंतिम बुश होगा।

आठ राष्ट्रपतियों में से प्रथम, रूज़वेल्ट ने 1945 में द्वितीय विश्व युद्ध के अंत को चिह्नित किया, और उसके पश्चात अगले राष्ट्रपति ने संयुक्त राष्ट्र का आरंभ कराया। आठ राष्ट्रपतियों में से प्रथम, रीगन ने 1989 में शीत युद्ध के अंत को चिह्नित किया, और उसके पश्चात अगले राष्ट्रपति ने संयुक्त राष्ट्र को बढ़ावा दिया। आठ राष्ट्रपतियों में से अंतिम राष्ट्रपति उस शीत युद्ध का अंत करेगा जो तब आरंभ हुआ था जब उसने 2015 में चुनाव लड़ने की अपनी मंशा की घोषणा की थी, और तृतीय विश्व युद्ध का आरंभ करेगा। वह बाइबिल की भविष्यवाणी के छोटे राज्य को बाइबिल की भविष्यवाणी के सातवें राज्य (संयुक्त राष्ट्र) के मस्तक में परिणत करेगा, और फिर रविवार के कानून के समय उस राज्य को पशु को देने पर सहमत होगा।

जिस प्रकार द्वितीय विश्वयुद्ध स्थल-युद्ध और समुद्री-युद्ध से मिलकर बना था, उसी प्रकार अंतिम राष्ट्रपति के पास एक शीतयुद्ध होगा, जिसका प्रतिनिधित्व पैनियम के स्थल-युद्ध द्वारा होता है जो एक्टियम के समुद्री-युद्ध तक ले जाता है। संडे लॉ के समय 2015 में ट्रम्प द्वारा वैश्वीकरणवादियों को उकसाने से आरम्भ हुआ शीतयुद्ध, तृतीय विश्वयुद्ध में परिवर्तित हो जाता है, जैसा कि द्वितीय विश्वयुद्ध के स्थल और समुद्री युद्धों द्वारा निरूपित है। द्वितीय विश्वयुद्ध के अंत में अगला चरण संयुक्त राष्ट्र के वैश्वीकरण का था, ठीक वैसे ही जैसे रीगन और बुश के साथ शीतयुद्ध के अंत में हुआ था। पहले संयुक्त राज्य संडे लॉ पर समाप्त होता है, फिर बुश की “नई विश्व व्यवस्था” सातवें राज्य का परिचय कराती है, जो तुरंत ही आठवें राज्य को अपना अधिकार देने पर सहमत हो जाता है।

बुश पहला और बुश अंतिम, पहले द्वारा 9/11 के समय कांग्रेस के समक्ष “नई विश्व व्यवस्था” की घोषणा और अंतिम द्वारा 2001 के पैट्रियट ऐक्ट के माध्यम से एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं। ये दोनों मार्गचिह्न उस संदर्भ के भीतर स्थापित किए गए हैं जिसमें इस्लाम राष्ट्रों को क्रोधित करता है।

हम इन बातों को अगले लेख में जारी रखेंगे।